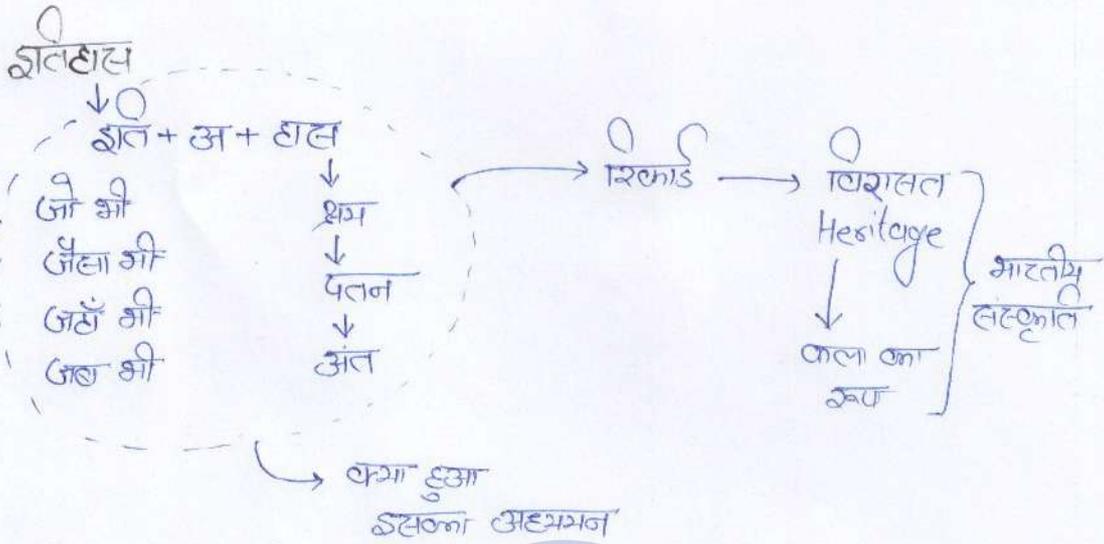


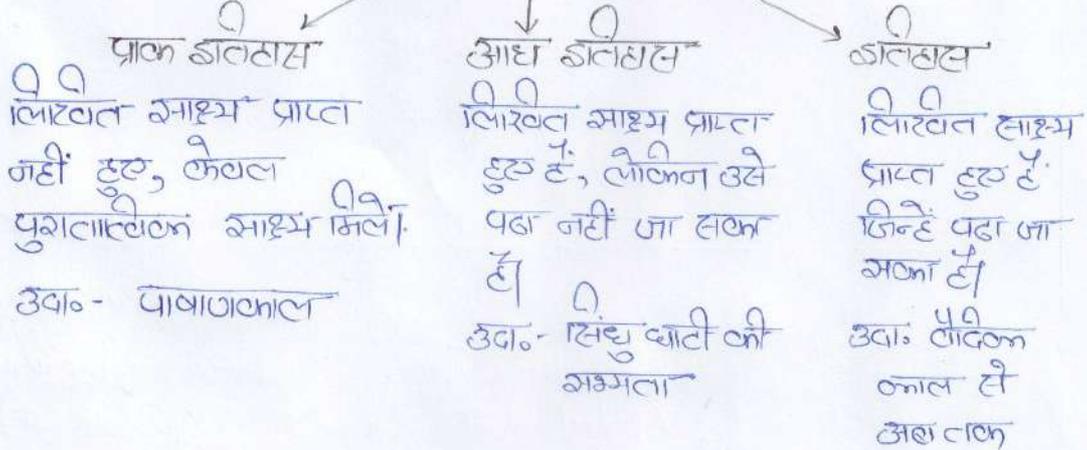
प्राचीन भारत का इतिहास



इतिहास की विशेषता

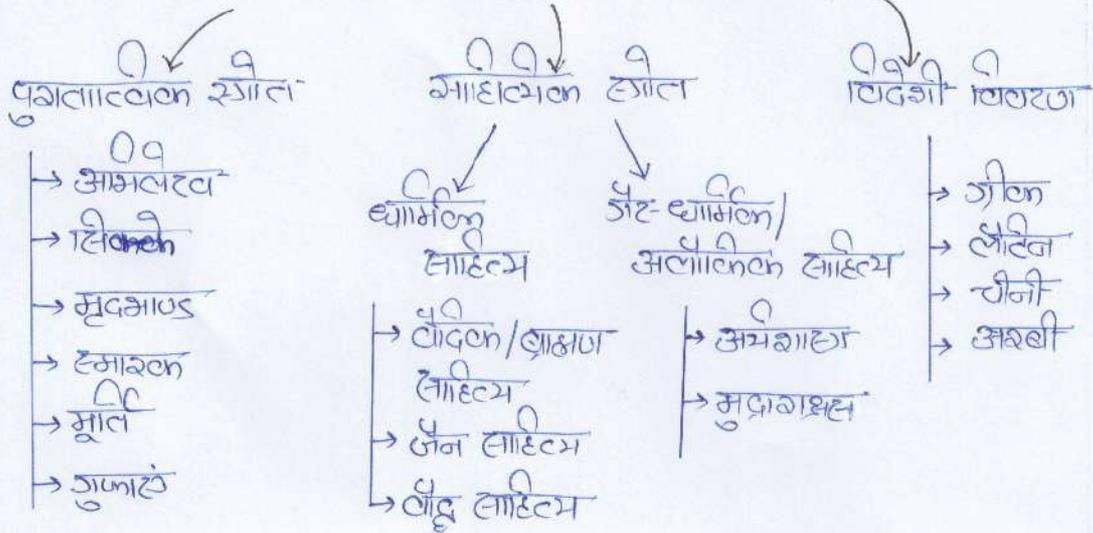
1. इतिहास का अपना काल होता है। (Time)
2. इतिहास का अपना स्थान (Period) होता है।
3. पाठ्यक्रम के साथ निरंतरता।

इतिहास की विशेषता



Note: सबसे पहला इतिहास ग्रंथ कलहा द्वारा रचित राजतरंगिणी है।

प्राचीन भारतीय इतिहास की जानकारी के लिए



Note: इंडोलॉजी (इतिहास के पिता): पुरातन → इतिहास

इसके विवरण में भारत-जगत संबंधों के साथ ही पश्चिमात्तर जगत् में होने वाली घटनाओं का उल्लेख किया गया है।

मानव विकास/उदभव

KHAN SIR

प्लायोसीन युग

इमापमेण्ड (पहली बार जंगल से निकलकर
काम पर आया)

आस्ट्रेलोजोर्निकस (अभिजात)

होमो हेरिलस (इसके पहली बार राम का उपयोग किया)

होमो इरेक्टस (हुआ हुआ मानव)

होमो सापेयस

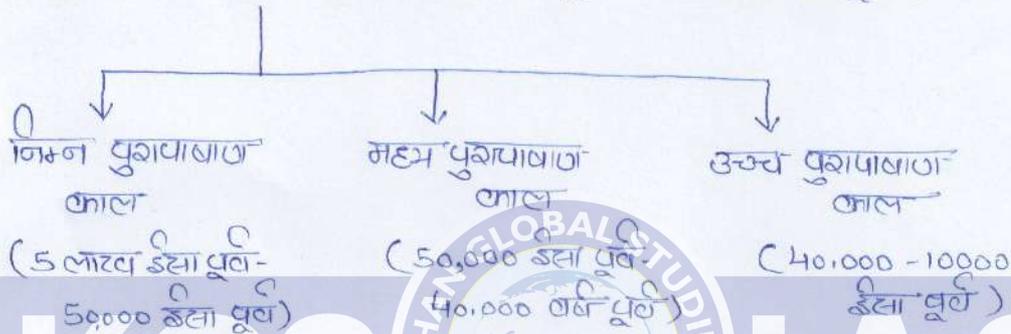
पथर, आज और फुलघडी का उपयोग करने वाला

पाषाण युग : पुरातत्त्वविदों द्वारा जब कुछ हमलों का उत्खनन किया गया तो उन स्थलों पर केवल पत्थर और पत्थर के उपकरण मिले। अतः पुरातत्त्वविदों ने इस काल को पाषाणकाल का नाम दिया।

शार्ल्स ब्रूक ने सर्वप्रथम पाषाण उपकरणों को खोजा था।

पत्थर एवं उपकरणों के आधार पर पाषाण युग का वर्गीकरण

1- पुरापाषाण काल (5 लाख ईसा पूर्व - 10,000 ईसा पूर्व)



(A) निम्न पुरापाषाण काल :

- * पत्थर - कर्पास का प्रयोग
- * औजार - हड्डि, चोकर (चोकर), पेरुल (सुईल पत्थर) तथा जंडाल

* प्राप्त हमल - बैलन घाटी (मिजापुर, उत्तर प्रदेश)

आतिरूपकम (तामिलनाडु) → हड्डि चोकर प्राप्त

मोहन नदी घाटी (पाकिस्तान)

काश्मीर

(B) मध्य पुरापाषाण काल

* पत्थर - चर्ट, जैस्पर

* औजार - टफ्ट

(C) उच्च पुरापाषाण काल

* पत्थर - अजट

* औजार - ब्लैड

* गुफाओं में रहना - प्रारंभ

↳ मानव द्वारा गुफाओं पर चित्रकारी का प्रारंभ

↓
अभिलेखित गुफा

↓
प्रारंभ में चित्रकारी हेतु

नीले रंग का प्रयोग लाल रंग में लाल
रंग का बहुतायत में प्रयोग

↳ चित्रकारी का विकास -

• मानव द्वारा पशु का चित्रण

• पशु द्वारा मानव का पीछा करना

KHAN SIR